छाया मत छूना

कविता का सार / प्रतिपाद्य

यह कविता मनुष्य को बीते समय को भूलाने तथा वर्तमान में जीने की सलाह देती है। कवि कहता है कि वर्तमान हमारा सत्य है। अतः यह अच्छा हो या बुरा हमें इसे स्वीकार कर लेना चाहिए। बीता समय कितना भी अच्छा क्यों न हो, उसे याद करके दुखी नहीं होना चाहिए। जो मनुष्य यह सत्य जान लेता है, वही आगे बढ़ पाता है।

भाषाशैली की विशेषताएँ

- कई जगह दृश्य बिंब, स्पर्श बिंब तथा स्मृति बिंब विद्यमान है।
- तत्सम शब्दों का सुंदर प्रयोग है।
- अलंकारों का सुंदर प्रयोग है।
- माधुर्य गुण विद्यमान है।
- भाषा सरल है।

कविता का उद्देश्य

- हारे मनुष्य को राह दिखाना।
- संघर्षों के प्रति सकारात्मक सोच देना।

कविता का संदेश / शिक्षाएँ

- मनुष्य को यथार्थ को स्वीकार करने का संदेश।
- संघर्षों से घबराने के स्थान पर लड़ने की शिक्षा देना।
- वर्तमान ही सत्य है। भूत तथा भविष्य की चिंता करना व्यर्थ है।